RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

RIICO missiongyan

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-10वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

सामाजिक विज्ञान

संसाधन एवं विकास

Resources and Development



CHAPTER -01 | PART-03

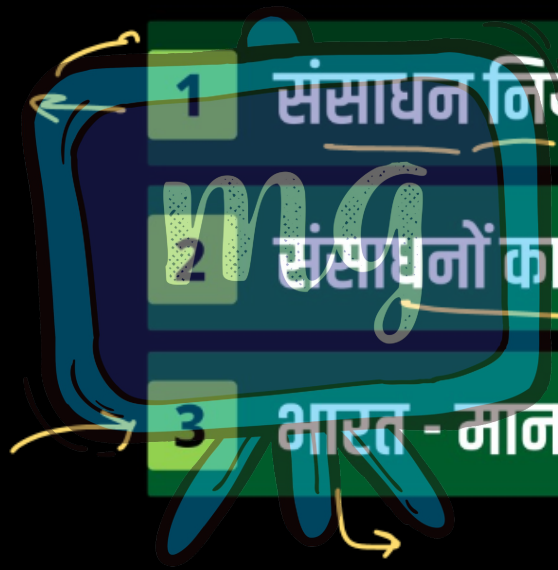
एकदम बेसिक से थ्योरी क्लास!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

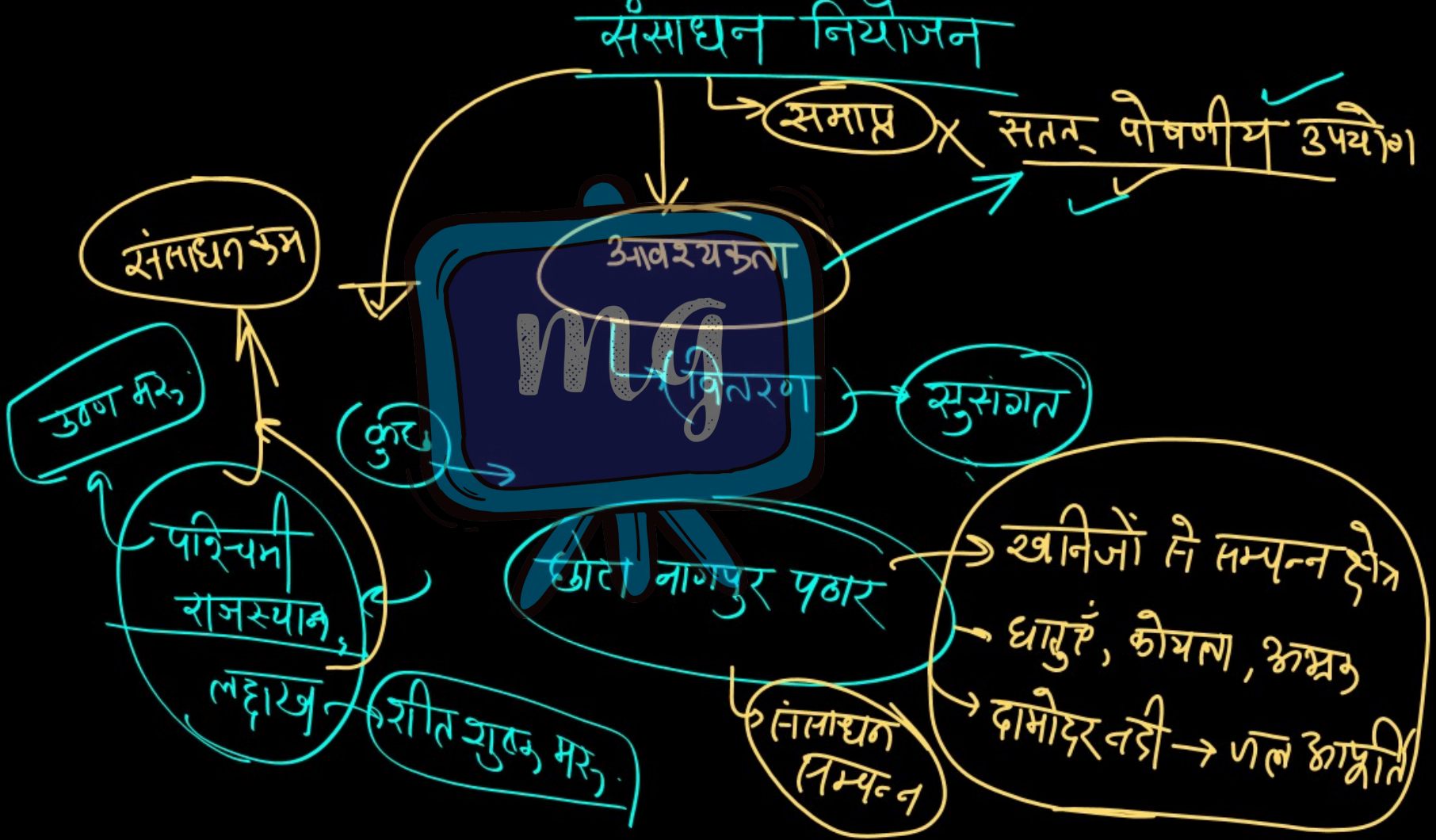
भारत में संसाधन नियोजन



1. संसाधन नियोजन
2. संसाधनों का संरक्षण
3. भारत - मानचित्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधन नियोजन

- संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए नियोजन एक सर्वमान्य रणनीति है।
- भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की उपलब्धता में बहुत अधिक विविधता है, यह और भी महत्त्वपूर्ण है।
- यहाँ ऐसे प्रदेश भी हैं जहाँ एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है, परंतु दूसरे तरह के संसाधनों की कमी है।

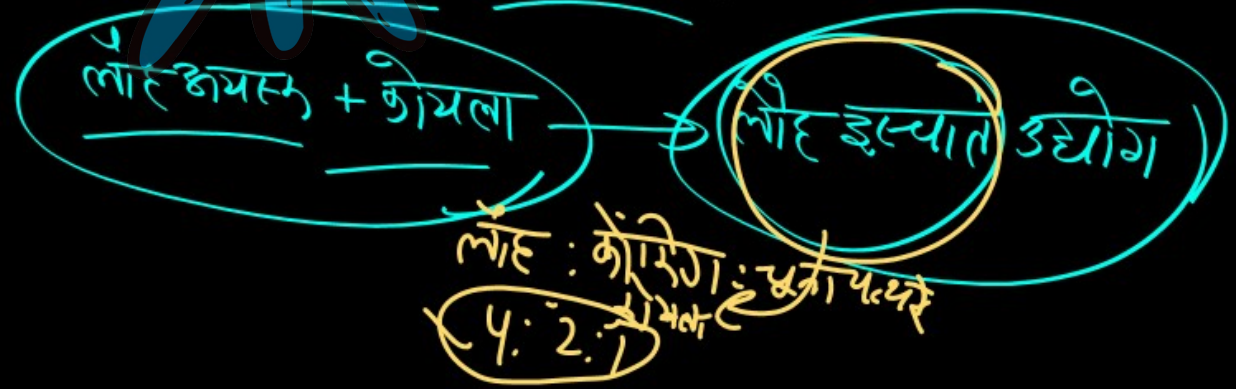
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कुछ ऐसे प्रदेश भी हैं जो संसाधनों की उपलब्धता के संदर्भ में आत्मनिर्भर हैं।
- कुछ ऐसे भी प्रदेश हैं जहाँ महत्त्वपूर्ण संसाधनों की अत्यधिक कमी है।

जैसे— झारखंड, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ आदि प्रांतों में खनिजों और कोयले के प्रचुर भंडार हैं ।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जल

- अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, परंतु मूल विकास की कमी है।
- राजस्थान में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की बहुतायत है, लेकिन जल संसाधनों की कमी है।
- लद्दाख का शीत मरुस्थल सांस्कृतिक विरासत का धनी है परंतु यहाँ जल, आधारभूत अवसंरचना तथा कुछ महत्त्वपूर्ण खनिजों की कमी है।

वर्षा की कमी

इसलिए राष्ट्रीय, प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन-नियोजन की आवश्यकता है।

Q.① संसाधन नियोजन की आवश्यकता क्यों होती है? उदाहरण सहित

Ans:

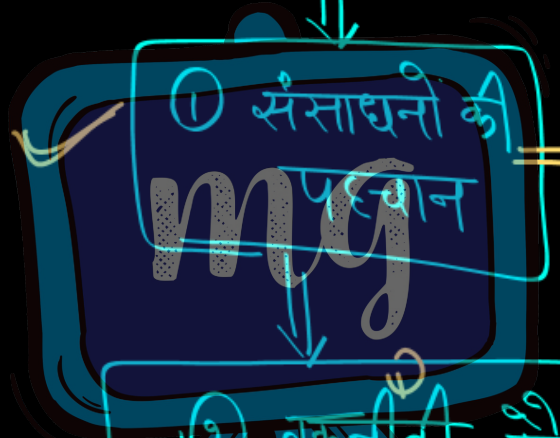


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में संसाधन नियोजन

↳ तीन सोपान / चरण / स्टेप



① संसाधनों की पहचान → तालिका बनाना, क्षेत्रीय सर्वेक्षण, मात्रा व गुणवत्ता।

② तकनीकी, कौशल विकास व संस्थागत निवेश ③

② → निवेश

③ समन्वय → राष्ट्रीय विकास योजना के साथ समन्वय

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में संसाधन नियोजन

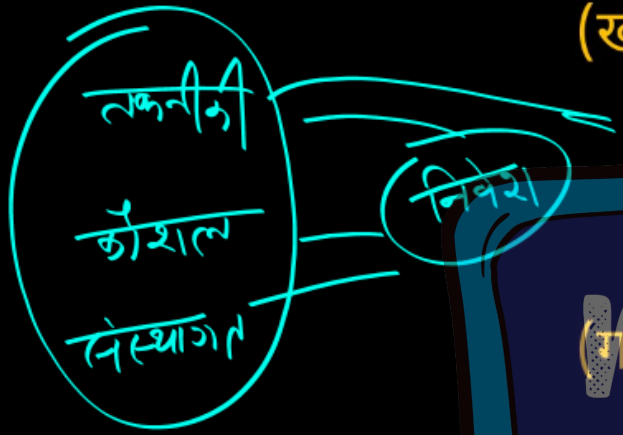
संसाधन नियोजन एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें निम्नलिखित सोपान हैं —

(क) देश के विभिन्न प्रदेशों में संसाधनों की पहचान कर उनकी तालिका बनाना ।

क्षेत्रीय सर्वेक्षण, मानचित्र बनाना और संसाधनों का गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुमान लगाना ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

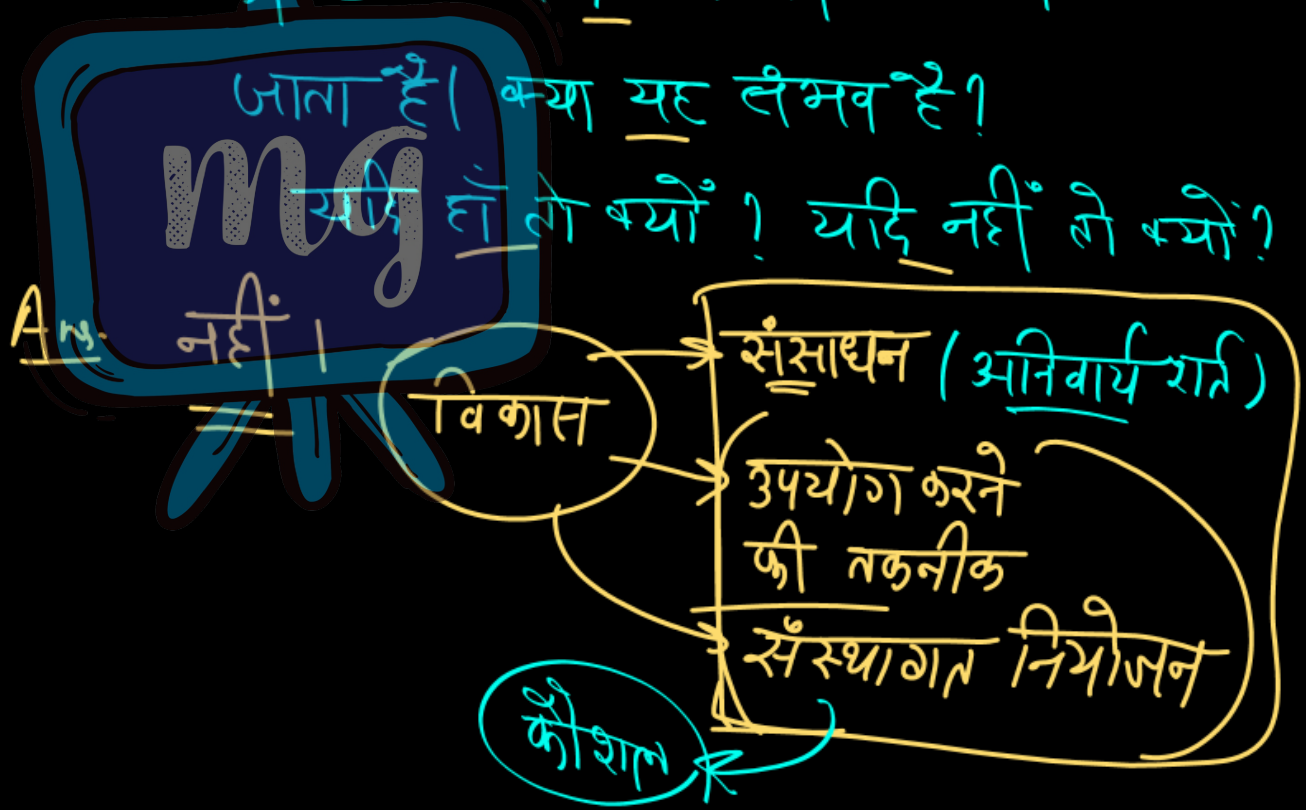


(ख) संसाधन विकास योजनाएँ लागू करने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी, कौशल और संस्थागत नियोजन ढाँचा तैयार करना ।

(ग) संसाधन विकास योजनाओं और राष्ट्रीय विकास योजना में समन्वय स्थापित करना ।

Q.① किसी प्रदेश में केवल संसाधनों की उपलब्धता से ही विकास हो जाता है। क्या यह संभव है? यदि हाँ तो क्यों? यदि नहीं तो क्यों?

Ans. नहीं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- किसी क्षेत्र के विकास के लिए संसाधनों की उपलब्धता एक आवश्यक शर्त है।
- परंतु प्रौद्योगिकी और संस्थाओं में तदनरूपी परिवर्तनों के अभाव में मात्र संसाधनों की उपलब्धता से ही विकास संभव नहीं है।
- देश में बहुत से क्षेत्र हैं जो संसाधन समृद्ध होते हुए भी आर्थिक रूप से पिछड़े प्रदेशों की गिनती में आते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तकनीकी विकास के कारण

- इसके विपरीत कुछ ऐसे प्रदेश भी हैं जो संसाधनों की कमी होते हुए भी आर्थिक रूप से विकसित हैं।
- उपनिवेशन का इतिहास हमें बताता है कि विदेशी आक्रमणकारियों के लिए, उपनिवेशों में संसाधन-संपन्न प्रदेश मुख्य आकर्षण रहे हैं।
- उपनिवेशकारी देशों ने बेहतर प्रौद्योगिकी के सहारे उपनिवेशों के संसाधनों का शोषण किया तथा उन पर अपना आधिपत्य स्थापित किया ।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अतः संसाधन किसी प्रदेश के विकास में तभी योगदान दे सकते हैं, जब वहाँ उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकास और संस्थागत परिवर्तन किए जाएँ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधनों का संरक्षण

- संसाधन किसी भी तरह के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।
- परंतु, संसाधनों का विवेकहीन उपभोग और अति उपयोग के कारण कई सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याएँ पैदा हो सकती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इन समस्याओं से बचाव के लिए विभिन्न स्तरों पर संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।
- भूतकाल से ही संसाधनों का संरक्षण बहुत से नेताओं और चिंतकों के लिए चिंता का विषय रहा है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

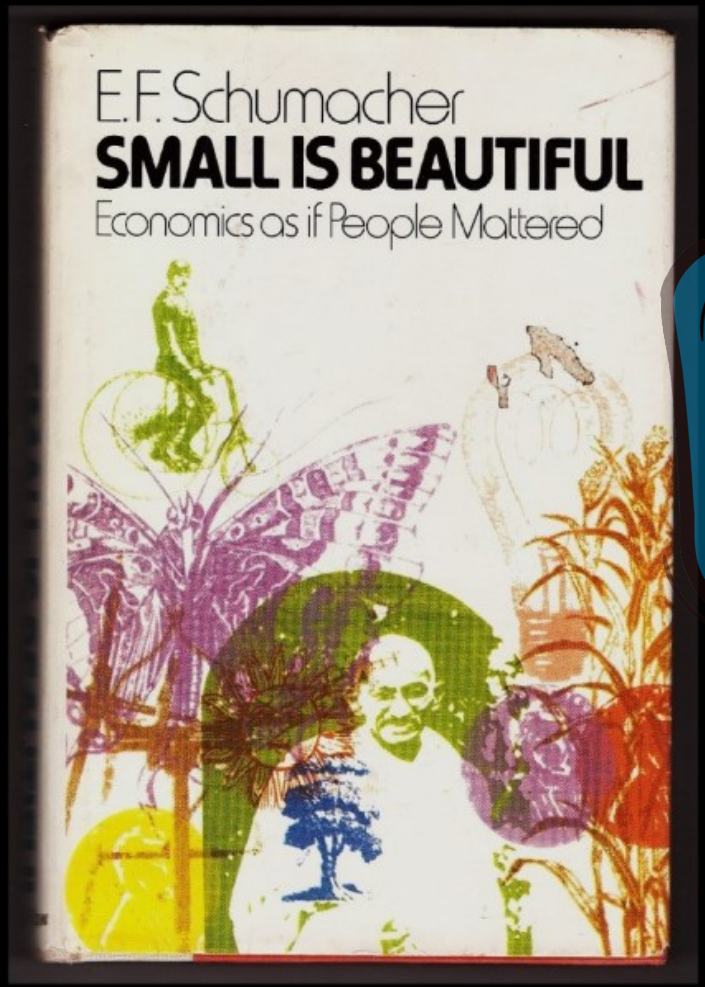
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जैसे— गांधी जी ने संसाधनों के संरक्षण पर अपनी चिंता इन शब्दों में व्यक्त की है – "हमारे पास हर व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ति के लिए बहुत कुछ है, लेकिन किसी के लालच की संतुष्टि के लिए नहीं ।" अर्थात् **हमारे पास पेट भरने के लिए बहुत है लेकिन पेटी भरने के लिए नहीं ।**





- उनके अनुसार विश्व स्तर पर संसाधन ह्रास के लिए लालची और स्वार्थी व्यक्ति तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी की शोषणात्मक प्रवृत्ति जिम्मेदार है।
- वे अत्यधिक उत्पादन के विरुद्ध थे और इसके स्थान पर अधिक बड़े जनसमुदाय द्वारा उत्पादन के पक्षधर थे।



- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित तरीके से संसाधन-संरक्षण की वकालत 1968 में "क्लब ऑफ रोम" ने की।
- तत्पश्चात् 1974 में शुमेसर ने अपनी पुस्तक "स्माल इज ब्यूटीफुल" में इस विषय पर गांधी जी के दर्शन की एक बार फिर से पुनरावृत्ति की है।
- 1987 में "ब्रुन्ड्टलैंड आयोग" रिपोर्ट द्वारा वैश्विक स्तर पर संसाधन संरक्षण में मूलाधार योगदान किया गया।



- इस रिपोर्ट ने "सतत् पोषणीय विकास" (Sustainable Development) की संकल्पना प्रस्तुत की और संसाधन-संरक्षण की वकालत की।
- यह रिपोर्ट बाद में "हमारा सांझा भविष्य" (Our Common Future) शीर्षक से पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुई।
- इस संदर्भ में एक और महत्त्वपूर्ण योगदान रियो डी जेनेरो, ब्राजील में 1992 में आयोजित पृथ्वी सम्मेलन द्वारा किया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




चंडीगढ
7. लेह
देहरादून
8
9
लखनऊ
जयपुर
6
2. भोपाल
10
रामपुर
मुम्बई
3
बैंगलुरु
4
5
चेन्नई